News सिटी चीफ

बिहार सिटी चीफ

वर्ष-15, अंक-61
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

बिहार, शुक्रवार, 07 जून 2024

आज का विचार

अगर हम गिरते हैं तो अधिक अच्छी तरह चलने का रहस्य सीख जाते हैं।

पावापुरी विम्स हॉस्पिटल में डॉक्टरों की पिटाई मामले पर आईएमए का ऐलान

6 जून को हड़ताल पर रहेंगे सभी डॉक्टर

नालंदा– नालंदा के पावापुरी विम्स हॉस्पिटल में डॉक्टर के साथ मारपीट किये जाने का मामला तूल पकड़ने लगा है। इस घटना पर डॉक्टरों ने विरोध जताया है। वही इनके समर्थन में खड़े IMA ने 6 जून को हड़ताल पर जाने की घोषणा कर दी है। इस दौरान हॉस्पिटल और क्लिनिक को बंद रखा जाएगा। आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर आईएमए ने कल एक दिवसीय हड़ताल का आह्वान किया है।

आइएमए के नालंदा जिलाध्यक्ष डॉ. वीरेंद्र कुमार ने आइएमए हॉल में प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित कर बताया कि विम्स पावापुरी में मरीज के परिजनों के द्वारा चिकित्सक के साथ मारपीट की गयी और अस्पताल में पथराव किया गया। इस घटना से अस्पताल के डॉक्टर काफी डरे हुए हैं। इस मामले में पावापुरी ओपी में जो मामला दर्ज किया गया उसमें मेडिकल प्रोटेक्शन एक्ट नहीं लगाया गया है। जिसका हम लोग विरोध कर रहे हैं और चिकित्सकों की सुरक्षा, आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग कर रहे हैं।

गौरतलब है कि बीते दिनों 55 वर्षीय सुनील सिंह की तबीयत बिगड़ गई थी तब परिजनों ने विम्स में भर्ती कराया था। जहां डॉक्टर ने मरीज को मृत घोषित कर दिया था। जिसके बाद परिजन आक्रोशित होकर हंगामा करने लगे और ड्यूटी पर तैनात डॉक्टर के साथ मारपीट की। डॉक्टरों का कहना था कि मरीज को मृत लाया गया था। परिजन इलाज में लापरवाही बरतने का आरोप डॉक्टरों पर लगाया था। परिजन मृत्यु प्रमाण पत्र और पर्ची की मांग कर रहे थे। विम्स के अधीक्षक डॉ. अरुण कुमार सिन्हा ने 3 नामजद और 50 अज्ञात के खिलाफ मामला दर्ज कराया।

नालंदा के पावापुरी वर्धमान आयुर्विज्ञान संस्थान में डॉक्टर और मरीज के परिजनों के बीच जमकर मारपीट हुई थी। इस दौरान कई मेडिकल स्टूडेंट्स घायल हो गए थे। डॉक्टरों ने इमरजेंसी और ओपीडी सेवा को ठप कर दिया था और आरोपियों पर कार्रवाई की मांग कर रहे थे। मारपीट की घटना का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया था। जिसमें यह नजर आ रहा था कि कैसे मरीज के परिजन डॉक्टर को थप्पड़ से पीट रहे है। जब कुछ डॉक्टर पहुंचे तब उन्हें भी खदेड़ा गया था।

शराब तस्करी के मामले में 7 साल तक कारावास की सजा

आरोपित पर लगा एक लाख रुपये का जुर्माना भी

बेगूसराय – बेगूसराय एक्साइज कोर्ट के विशेष न्यायाधीश सुनील कुमार चौबे ने अवैध शराब से जुड़े एक मामले में सुनवाई करते हुए फैसला सुनाया। बलिया थाना कांड संख्या 52 /2023 की सुनवाई करते हुए कोर्ट ने आरोपित सुरेश कुमार को 7 साल की कारावास की सजा सुनाई साथ ही एक लाख रूपये का अर्थदंड भी लगाया।

बता दें कि पटना जिले के फतुहा थाना क्षेत्र के जेटली निवासी सुरेश कुमार पर अवैध शराब बेचने के आरोप सिद्ध होने के बाद दोषी ठहराया गया। सजा के बिंदुओं पर सुनवाई के बाद कोर्ट ने आरोपित सुरेश कुमार को बिहार मद्य निषेध अधिनियम की धारा 30(ए) में दोषी पाते हुए 7 साल सश्रम कारावास और एक लाख रूपया जुर्माना लगाया।

अभियोजन की ओर से विशेष लोक अभियोजक रेहान खुर्शीद और पंकज कुमार वर्मा ने कुल चार गवाहों की गवाही कराई। आरोपित पर आरोप है कि 17 फरवरी 2023 को पिकअप वैन जिसका रजिस्ट्रेशन नंबर BR 09R /2071 है जिससे खगड़िया से बेगूसराय ला रहे थे तभी एनएच 31 मानसरोवर होटल के पास जब गाड़ी की जांच की गयी तब पिकअप वैन से 901 लीटर अवैध विदेशी शराब बरामद किया गया।

बेगूसराय का वॉन्टेड बदमाश नीलेश राय का किया एनकाउंटर

उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर में हुआ नोएडा एसटीएफ के ज्वाइंट ऑपरेशन

बेगूसराय – बिहार के बेगूसराय का वॉन्टेड बदमाश नीलेश राय उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर में ढेर हो गया, बिहार और नोएडा एसटीएफ के ज्वाइंट ऑपरेशन में नीलेश राय का किया एनकाउंटर ! दरअसल, मुजफ्फरनगर के रतनपुरी थाना क्षेत्र में बड़ी वारदात को अंजाम देने जा रहे तीन बदमाशों से नोएडा एसटीएफ और रतनपुरी पुलिस की मुठभेड़ हुई, मुठभेड़ में बेगूसराय निवासी नीलेश राय मारा गया !

जबकि, उसके दो साथी अंधेरे का फायदा उठाकर जंगल में फरार हो गए, मृतक के पास से दो पिस्टल और एक बाइक बरामद हुई है। मारा गया बदमाश नीलेश राय, गोपाल राय उर्फ गोपाल सिंह का बेटा था, वह बेगूसराय में गढ़हरा के बररामपुर टोले का रहने वाला था, उस पर बेगूसराय समेत बिहार के कई थानों में हत्या, रंगदारी,

एनडीए से सीएम नीतीश के करीबी आनंद मोहन की दो बड़ी मांगें, रेल मंत्रालय और विशेष राज्य का दर्जा मांगा

जब से लोकसभा चुनाव परिणाम आया है, तब से मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और उनकी पार्टी चर्चा में है। 16 में से 12 सीटें लाकर सीएम नीतीश कुमार की पार्टी टीडीपी के बाद राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन की सबसे बड़ी सहयोगी बनकर सामने आई है। सीएम नीतीश कुमार एनडीए के साथ ही रहेंगे, यह अब तक की सियासी गतिविधियों से साफ नजर आ रहा है। लेकिन, इस बार उनकी पार्टी के नेता और करीबी बड़े मंत्रालयों की मांग कर रहे हैं। सीएम नीतीश कुमार के करीबी और उनकी पार्टी की सांसद लवली आनंद के पति आनंद मोहन ने रेल मंत्रालय की मांग कर दी है।

विशेष राज्य का दर्जा बिहार के विकास के लिए जरूरी

आनंद मोहन ने दिल्ली में पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि हमलोग रेल मंत्रालय की मांग करते हैं। रेल मंत्रालय की मांग पुख्ता मांग है। लगातार यह बिहार के हिस्से रहा है। एलएन मिश्रा, रामविलास विलास और नीतीश कुमार के जमाने से जो कार्य अधूरे हैं, उनको अगर पूरा करना है तो पिछड़े बिहार को रेल मंत्रालय चाहिए। सीएम नीतीश कुमार ने बिहार को जंगलराज से निकाला है। एक विकसशील बिहार बनाया। प्रगति के दौर में लाया है। इसको अगर पंख देना है तो विशेष राज्य के दर्जे की मांग पूरी होनी चाहिए। यह बिहार के विकास के लिए जरूरी है। लवली आनंद और बाकी लोग संसदीय दल की बैठक में हैं। वह जब निकलेंगी तो बाकी बातें सामने आ जाएगी।

बिना शर्त के जदयू एनडीए के समर्थन में है

वहीं सांसद लवली आनंद ने कहा कि पुनौरा धाम का विकास होना चाहिए। यहां भी अयोध्या की तरह मंदिर बनना चाहिए। उन्होंने कहा कि जहां-जहां रेलवे नहीं है वहां रेल मिले। उन्होंने भी बिहार को विशेष राज्य का दर्जा देने की मांग की। हालांकि, इनसे पहले जदयू के राष्ट्रीय प्रवक्ता केसी त्यागी और पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष ललन सिंह जदयू बिना शर्त एनडीए के समर्थन में है। केसी त्यागी ने कहा कि बिहार को विशेष राज्य के दर्जा की मांग हमारे दिल और दिमाग में है।

लोजपा-रामविलास की संसदीय दल की बैठक, पार्टी के पांच सांसदों ने चिराग पासवान को चुना नेता

लोक जनशक्ति पार्टी के प्रमुख व हाजीपुर लोकसभा क्षेत्र से नवनिर्वाचित सांसद चिराग पासवान को उनकी पार्टी ने संसदीय दल का नेता चुन चिया है। शुक्रवार सुबह दिल्ली में लोजपा (रामविलास) के नेताओं के बीच बैठक हुई। इसके बाद सर्वसम्मति से चिराग पासवान को संसदीय दल का नेता चुन लिया गया। लोजपा (रामविलास) के राष्ट्रीय प्रधान सचिव अब्दुल खालिक ने लेटर जारी कर यह जानकारी दी है। इसमें कहा गया है कि बैठक में चिराग पासवान, वीणा देवी, शांभवी चौधरी, अरुण भारती और राजेश वर्मा उपस्थित थे। सभी ने चिराग को दल का नेता चुन लिया। बता दें कि दिल्ली में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन की बैठक में शामिल होने के बाद चिराग पासवान ने कहा था कि नरेंद्र मोदी तीसरी बार देश के प्रधानमंत्री बनने जा रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी की वजह से ही एनडीए को प्रचंड बहुमत मिली है। एनडीए के घटक दलों ने प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व को स्वीकारा है। चिराग ने यह भी कहा कि किसी को कोई ऑफर नहीं मिल रहा है। एनडीए एकजुट है। अब वे दिन दूर नहीं जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में एनडीए का हर एक घटक दल मजबूती से सरकार बनाएगा। शपथ लेने की तैयारी है।

बता दें कि इस लोकसभा चुनाव में पीएम नरेंद्र मोदी के हनुमान चिराग पासवान और उनकी पार्टी पर सबकी निगाहें टिकी थीं। चुनाव परिणाम आया तो चिराग पासवान और उनकी पार्टी ने फिर से सबको चौंका दिया। लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) इस बार हाजीपुर, वैशाली, समस्तीपुर, खगड़िया और जमुई लोकसभा सीट पर चुनाव लड़ रही थी। पांचों सीटों पर इनके प्रत्याशी भारी मतों से जीत हासिल की। सौ प्रतिशत स्ट्राइक रेट लाकर चिराग ने सबसे चौंका दिया। चर्चा है कि मोदी के करीबी चिराग पासवान को केंद्रीय मंत्रिमंडल में बड़ी जिम्मेवारी मिल सकती है।

असम और बिहार की दो लड़कियों में हुआ प्यार; सोशल मीडिया से आईं करीब, इस जगह हो गया का

मुजफ्फरपुर में एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। दो लड़कियां समलैंगिक विवाह करना चाहती हैं। इनमें से एक असम से भागकर यहां पहुंची है। मामला थाना पहुंचा है। पुलिस ने दोनों के परिजनों को जानकारी दे दी है। लेकिन, दोनों लड़किया घर नहीं जाना चाहती है। दोनों साथ रहना चाहती है। पूरे मामले में नगर थानेदार विजय कुमार सिंह ने बताया कि जांच में दोनों लड़कियां खुद को बालिग बताई और समलैंगिक विवाह करने असम जा रही थी। दोनों के परिजन को इस मामले की जानकारी दिया गया है। वही असम से आई लड़की के परिजनों को भी सूचना दे दी गई है। परिजन के आते ही आगे की करवाई किया जाएगा। बताया जा रहा है कि मुजफ्फरपुर और असम की निवासी दो लड़कियों को सोशल मीडिया पर दोस्ती हुआ। देखते ही देखते दोनों एक-दूसरे से प्यार करने लगीं। अब दोनों ने एक दूसरे से मिलने का भी प्लान बनाया।असम निवासी लड़की घर से अपनी प्रेमिका से मिलने मुजफ्फरपुर पहुंच गई। घर वालों को लगा कि दोस्त है इसलिए रहने आई है। बुधवार जब दोनों बैग में कपड़ा व अन्य सामान लेकर निकलीं तो मोहल्ला के कई लोगों को शक हो गया। इसके बाद दोनों को मोहल्ला में रोककर के स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना दी। थाने लाकर दोनों से जब पूछताछ की गई तो दोनों ने एक दूसरे से प्यार करने की बात कही। इतना ही नहीं दोनों समलैंगिक विवाह करने पर अड़ गईं। दोनों का कहना है कि कहा कि दोनों बालिग हो गई हैं। आधार कार्ड भी पुलिस को दिखाया। इसके बाद पुलिस ने शहर की रहने वाली लड़की के परिजनों को भी सूचना दी गई। परिजन आए उन्होंने बताया कि अभी लड़की की उम्र 17 साल ही है। परिजन ने बताया कि उनकी बेटी ने दो दिन पहले आई लड़की को अपनी दोस्त बताया था और कहा कि वह दो दिन उसके साथ ही रहेगी। और आज अचानक पता चला है कि दोनों सामान लेकर असम भाग रही थीं। हमलोगों को कुछ समझ नहीं आ रहा। पुलिस इस मामले को गंभीरता से ले और दोनों बच्चियों की काउंसलिंग करवाएं।

पुलिस कांस्टेबल निकला अपनी प्रेग्नेंट पत्नी का हत्यारा

वजह जानकर हो जाएंगे हैरान

सहरसा – सहरसा में पिछले दिनों एक पुलिस कांस्टेबल की पत्नी की हत्या का मामला सामने आया था। कांस्टेबल इलेक्शन ड्यूटी पर कैमूर गया हुआ था कि इसी दौरान उसकी गर्भवती पत्नी की हत्या कर दी गई। पुलिस लाइन स्थित सरकारी आवास से महिला का शव मिलने के बाद सनसनी फैल गई थी। पुलिस ने इस हत्याकांड का खुलासा कर दिया है। महिला की हत्या किसी और ने नहीं बल्कि उसके अपने सिपाही पति ने कराई थी।

दरअसल, बीते 1 जून को सदर थानाक्षेत्र के सहरसा पुलिस लाइन स्थित सरकारी क्वार्टर में सिपाही मिलन कुमार की गर्भवती पत्नी वर्षा कुमारी की संदिग्ध स्थिति में मौत हो गई थी। मृतिका के शरीर पर कई जगह जख्म के निशान पाए गए थे। मृतिका के गले में दुपट्टा और मुंह मे कपड़ा बंधा हुआ था। इस बीच सिपाही मिलन कुमार चुनाव ड्यूटी में कैमूर जिला में था।

पत्नी की हत्या का षडयंत्र रचने वाले सिपाही ने खुद को बचाने के लिए पहले अपनी पत्नी के मोबाइल पर फोन किया। जब उसकी पत्नी ने फोन नहीं उठाया तो आसपास के लोगों को फोनकर अपनी पत्नी से बात कराने की बात कही लेकिन जब आसपास के लोग उसके कमरे में पहुंचे तो देखा उसकी पत्नी जमीन पर मरी पड़ी हुई थी। जिसके बाद घटना की जानकारी मिलने के बाद खुद एसपी हिमांशु मौके पर पहुंचे और पुलिसकर्मियों को हरेक बिंदू पर बारीकी से छानबीन करने का निर्देश दिया।

इस दौरान स्नस्रु की टीम भी मौके पर पहुंच छानबीन की। पुलिस ने घटना के रात आसपास के सीसीटीवी फुटेज को खंगाला तो उस रात सिपाही के भाई सुमित कुमार के आने की तस्वीर सामने आई। जिसके बाद जब पुलिस ने सिपाही मिलन कुमार से पूछताछ शुरू किया तो मामले का खुलासा हो गया और फिर सिपाही ने सारे राज खोल दिए। इस मामले में एसपी हिमांशु ने बताया कि सिपाही मिलन कुमार अपनी पत्नी से अक्सर मारपीट करता था।

एसपी ने बताया कि कांस्टेबल को शक था कि उसकी पत्नी किसी और के संपर्क में है। जिसकी वजह से अक्सर दोनों के बीच विवाद होता रहता था। इस बीच सिपाही ने चुनाव ड्यूटी में रहते हुए प्लान बनाकर भागलपुर जिले के रंगड़ा में रह रहे अपने भाई को सहरसा बुलाकर अपनी पत्नी की हत्या करवा दी। घटना को इस तरह से अंजाम दिया गया ताकि लगे कि दुष्कर्म के बाद उसकी पत्नी की हत्या की गई है। पुलिस ने आरोपी सिपाही मिलन कुमार और उसके भाई को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है।